



2010-12-27 Before -Satgor Brahma Vacha (142)

All items on https://archive.org/details/realpatidar



Full Library on https://realpatidar.com/library



“ श्री सद्गोर ब्रम्हा वाचा ”

रसबैनी

रसबैनी लीखीतंग हो मुनीवरो

खालीक नाम सरजनहार, नबी उपरंत नमन वारा ॥ १ ॥  
सत पंथ केरा साचा, सतगोर पायीये कळजुग आज ॥ २ ॥  
जीसमे आलम सकल सुखी, आमी पीवेसु अगन बुझी ॥ ३ ॥  
बुझी बुझाई सो केव करी जानी, नबी कहेसो दिलमा आनी ॥ ४ ॥  
दिलमे आन्या सो क्या भया, चार कलपमे नबी कहाया ॥ ५ ॥  
चवजग नबीकुं सारे ध्यावे, करमो होवो तो नबी पावे ॥ ६ ॥  
नबी पावे तो कैसा वीचार, खुले दार तो भिस्त दीदार ॥ ७ ॥  
नबीसुं भुलासो दोजक जावे, जलता वलता तोबा खावे ॥ ८ ॥  
तोबा खावे अब क्या होवे, जलम जलमकुं बैठा रोवे ॥ ९ ॥  
अब क्या रोवे मेरा भाई, नबीसुं चुके तो दोजक जाई ॥ १० ॥  
दोजककुं तो बडा अहार, बडे बडे विछु बडे बडे अंगार ॥ ११ ॥  
अल्ला कहीये सो सीरपर येक, कळजुग सारा नबीका देस ॥ १२ ॥  
नबी साहेबकुं जाणे कोय, मोमन होवेसे जाणे सोय ॥ १३ ॥  
सतपंथ केरा बडा आचार, होवे मोमन सो उतरे पार ॥ १४ ॥  
मोमनकु तो बडा आधार, ज्यान दीई नबी परवार ॥ १५ ॥  
अबा बकर उमर ज्यान, अवर तीसरा कहुं जान ॥ १६ ॥

०१  
realpatidar.com



# Real Patidar Library

<https://www.realpatidar.com/library>

This book/literature/article/material may be used for research, teaching, and private study purposes. Any substantial or systematic reproduction, redistribution, reselling, loan, sub-licensing, systematic supply, or distribution in any form to anyone is expressly forbidden.

The library does not give any warranty express or implied or make any representation that the contents will be complete or accurate or up to date. The library shall not be liable for any loss, actions, claims, proceedings, demand, or costs or damages whatsoever or howsoever caused arising directly or indirectly in connection with or arising out of the use of this material.

Full terms and conditions of use: <http://www.realpatidar.com>

## About Real Patidar books

Real Patidar's mission is to organize the information on Satpanth religion, which is a Nizari Ismaili sect of Shia branch of Islam, and to make it universally accessible and useful. Real Patidar Books helps readers discover the material on Satpanth online while helping authors and researchers in their studies. You can know more by visiting <http://www.realpatidar.com>

You can resize and move this box in any PDF Application like Adobe Acrobat Reader.

No specific pages. See whole book.  
References by: RealPatidar.com



realpatidar.com

“ श्री सद्गोर ब्रम्हा वाचा ”

रसबैनी

रसबैनी लीखीतंग हो मुनीवरो

खालीक नाम सरजनहार, नबी उपरंत नमन वारा ॥ १ ॥  
सत पंथ केरा साचा, सतगोर पायीये कळजुग आज ॥ २ ॥  
जीसमे आलम सकल सुखी, आमी पीवेसु अगन बुझी ॥ ३ ॥  
बुझी बुझाई सो केव करी जानी, नबी कहेसो दिलमा आनी ॥ ४ ॥  
दिलमे आन्या सो क्या भया, चार कलपमे नबी कहाया ॥ ५ ॥  
चवजग नबीकुं सारे ध्यावे, करमो होवो तो नबी पावे ॥ ६ ॥  
नबी पावे तो कैसा वीचार, खुले दार तो भिस्त दीदार ॥ ७ ॥  
नबीसुं भुलासो दोजक जावे, जलता वलता तोबा खावे ॥ ८ ॥  
तोबा खावे अब क्या होवे, जलम जलमकुं बैठा रोवे ॥ ९ ॥  
अब क्या रोवे मेरा भाई, नबीसुं चुके तो दोजक जाई ॥ १० ॥  
दोजककुं तो बडा अहार, बडे बडे विछु बडे बडे अंगार ॥ ११ ॥  
अल्ला कहीये सो सीरपर येक, कळजुग सारा नबीका देस ॥ १२ ॥  
नबी साहेबकुं जाणे कोय, मोमन होवेसे जाणे सोय ॥ १३ ॥  
सतपंथ केरा बडा आचार, होवे मोमन सो उतरे पार ॥ १४ ॥  
मोमनकु तो बडा आधार, ज्यान दीई नबी परवार ॥ १५ ॥  
अबा बकर उमर ज्यान, अवर तीसरा कहुं जान ॥ १६ ॥

०१  
realpatidar.com





realpatidar.com

उसमान अली रोशन, शहा कबीर का साच्या गीनान ॥  
जोती कही ओतो भली, दादा उनोके हजरत अली ॥  
चार खुटके चारो यार, उसमे महमंद दुल दुल सवार ॥  
कमरो बांध्यो जुलफीकार, काफर मारे बेसुमार ॥  
रसुल खुदाके केवना होवे, रहा नबीकी जाणे कोय ॥  
कलजुग माहे राखे ध्यान, नबी महमद बोल्या गीन्यान ॥  
आल नबीकी कीवकर पायी, तीस ईमामोमे धुंडो जायी ॥  
आखर महमद परगट होई । काफर बैठे सगले रोयी ॥  
रात अंधारी मारग दुर, अवघड घाट नदी है पूर ॥  
काफर मे तो सारा कुड, मोमन चाले खाबंद हजूर ॥  
कीस कारण ये रात अंधारी, काफर कुं तो दोजक सारी ॥  
पीहु पीहु दोहरा, झुटी सोहबत बैठकर, उमर लागा खोयेजी ॥  
कोयला धोवे दुधसु, सो कीवकर उजला होयेजी ॥  
पटोला मारग केरा मारआद, अवर पंथ खोटे ये पंथ सोदे ॥  
ये मारग छोड अवर मारग जावे, भला भुटका अंतज पावे ॥  
मारग वो ही जो मन कुं मारे, जीस मारगमे ब्रम्ह पछाने ॥  
ब्रम्ह पछाने तो हुवा कयारे, लवे कुटुंमकु बैकुंठ जावे ॥  
खोटा मारग खोटा काम, साचा मारग करजो काम ॥  
जीस मारगमे चवथावेद उस मारगमे ब्रम्हकुं देख ॥  
मारग धुंडो मारग पावे, वही मारग जो बैकुंठ जावे ॥

०२

realpatidar.com



realpatidar.com

कहे कबीरदीन उस मारग की बात, जीस मारगमे तीन्होकुं देख ॥  
अवर छत्तीस ईमाम जाने, छत्तीस ईमामका मारग जाने ॥  
छत्तीस पवन है ये उनके हाजर उनके जारसे सारे भले उनसे चुके तो भुले पडे ॥  
छत्तीस ईमाम का घर है येक, उस घरकुं तो सही कर देख ॥  
सही कर देखेतो लागो हाथ, साचा कलमा सतकी बात ॥  
मीरा महंमद का जगमे नाम, नबी नावासे छत्तीस ईमाम के बागे रहे ॥  
नुर नबीसुं सारे भरे छत्तीस येका येक आखर नबीकु इस्क कर देख ॥  
सब मोमीन मे महंमद आप, न्हाने बडे मे कुछ नही पाप ॥  
मोमीन केरा गीन्यान अपार, ग्यान गोठसु उतरोपार ॥  
आद अंतसु मारग आया छटे दरसनमे साचा कर जाण ॥  
छत्तीस ईमाम सो पवन पाणी झुटा मारग पलमे रानी ॥  
आद मारग मे बडा बयान, छटे दरसन की क्रीया जाण ॥  
आद मारग है ये सरीयेन आन, करे क्रीया तो करम पावे ॥  
डुबे बाप ने डुबे माये झुटा मारग साचा कर जाण ॥  
आलग जाता दोजक पावे ॥  
ईमामोका मेहेजब खरा, मोमीन सारा रसमो भरा ॥  
साचा मारग करमो पावे, ले येकोतेरसो भिस्त मा जावे ॥  
पीहु पीहु दोहरे राता, बरसमे बहोत है जैशी रात सुबरात ॥  
शाहा ईमामदीनका है ये जाबडी गुजरातजी पटोला मतीये तो येक मतीये सारे ॥  
न्हाने बडे तो पंथ पखारे मतीये केरा पंथ उधारा ॥

०३

realpatidar.com





realpatidar.com

मतीये तो उतरे पार, मतीये बुझे चवथा वेद ॥  
मतीये रहे ब्रम्हकुं देख, साचा पंथ मतीये केरा ॥  
झुटे पंथ मे फुकट फेरा, मतीये केरा बडा ईमान ॥  
कुमतीयेस गडा सैतान, सुकरीत लेकर मतीया आवे ॥  
दस्त पकडकर आगल चालावे, पंथ चवऱ्याशी धंदे लगाये ॥  
मतीये मे तो समाये, साचे पंथकी साची बात ईमाम पावे है बडी गुजराथ आद  
पाटण है गाव का नाम करो पीताजी धरम के काम पाटण मा आयके पावे  
ईमाम ॥  
अनंत रुपे येकै काम, पंथ चवऱ्याशी कुटे सही ।  
बारा मुखी सो राने वोही, बारा मुखी कीवकर राने ।  
तो छोडया पीर आपकु जाणे । आप जाणे बारा कामदार, बारा बाटो बारा कामदार ।  
बारा मुखीया का झुटा साथ । कामदार ओही जो काम चलावे ।  
दुबले पतले अन्नमिलावे । नुर नाममे सतगोर देख दीखी पीहु राखे टेक ।  
राहा कुफरमे झुटा सारा आखोसु सुजे महाअंधारा ।  
आखोसु जे पंथ पुजे फत्तर कु जे पंथ न सुजे ।  
बारा पंथ बारा वाटा धरमी केरा बेसतमे सात ।  
आद अंतकी वात जे करे न्हाने बडे तो देखने चले ।  
दुर दुरसु कामदार आवे, छोडे सुकरीत छीपा देवे ।  
कहेरे कामदार कैसी वात, कायम जादा दीन आयी रात ।  
पुत पीताकु मारने चावे वो ही पुत सारा दोजक जावे ।

०४

realpatidar.com



realpatidar.com

जान बुजकर यैसी करे, काला मु कर जगमे फिरे ।  
पीर मरीदकु छडचा करे, कसनी कसोटी उस पर फीरे ।  
पाक बंधा होवे भिस्तमा जावे, चाहे पीरने दीलसु राखे ।  
उस मुरीद कु दोजक डरे ।  
रहा पीर की दीलसु करे, ईस रहासु दोजक डरे ।  
मुख ना डरे देखी जोई, कलजुग सारा आखरे होई ।  
पीर मुरीदसु दावा करे, साचा सीजधा खेवरे ।  
साचा मुरीद जो पीर के नजीक, चंदन का टीका सीरके उपर ।  
गोर हावे उनके वर रसबैनी तो धरीया नाम ।  
रसबैनी म्याने तो छतीस ईमाम, रसबैनी तो दिलसे आनी ।  
छतीस ईमामकेसाहेब कुमान मोमीन, आ खेतमसेखले सुभान सुभान हकमे बोले ।  
काज मोमीन का करे सुभान, रहा कुफर की तुटी जान ।  
काफर केरा कैसा हाल, देखे दोजक होवे खुशाल ।  
तो भी आभीया रहया फुकार, अंतर काफर हय तेरे बारने ।  
काफर सारे बडे खराब, करे हराम पीवे शराफ ।  
रहा कुफर का दील हये काला, नाना बडा सो काफर जाला ।  
रसबैनी तो जग उजीया ला ।  
नाम सुभान का मोमीन वाणी, रसबैनी तो रस की वाणी ।  
साजा आपण साहेब धणी, रसबैनी का बडा मैदान, सारे धरमी येक जटन ।  
रसबैनी म्याने रस अपार न्हाने बडे तो उतरे पार ।

०५

realpatidar.com





realpatidar.com

रसबैनी तो दील मे आनो, नबी महंमदकु साचा करी जाणो ।  
रसबैनी तो रसकर मानो, गोरकुं देखो अपने टाणे ।  
रसबैनी माहे रस का पूर, धरमी मोमन मुखपर नुर ।  
काला काफर काली रात, अंतर केरा उनके सात ।  
ये नीशाणी दोजक केरी चलन अंधारी ।  
काफर करी दील दरीयाव तो आयापूर ।  
रसबैनी हुई खावंद हजुर रसबैनी के बयान अमोल ।  
बदी खुखी तो भीस्तमे खाल, रसबैनी में चारो यार अनंत धर्मीके बराबर ।  
आग पवन बंद है पाणी कवल दीये फरमानी ।  
तो पाणी केरी क्या कहुवात आद अंतका खावंद सात ।  
अतर बाव सुन कहे पवन कहो पवन घट घट फीरता ।  
खरागम अगमसु अतराजोर सारे काफर उपर ।  
मीटीकु तो दिया सीनगार । मीटी पर तो कुलका भार ।  
चारो येक दुज्या नाही कोई ।  
साची सोहागण सो घर आयी, रसबैनी की रहा है जोर ।  
साची सोहागण शाहा के वर ।  
रसबैनी मे रस है साचा जैशी करणी तेशी वाचा ।  
दील मे कुडा मुमे शकर, सैतान केरा उसमे मकर मुपर मिटा दिलमे कुटा ।  
काला मु ले जावे साहेब के हजुर ।  
हाथ बांधे पर दिल कु बांध घट सारे मे होवे आनंद ।

०६

realpatidar.com





realpatidar.com

मोमीन सारे रहे है जेत, हरे होयेगे उनके खेत ।  
मोमीन बोले मीठा बोले दिलकु देवे अपने खोल ।  
मोमीन केरा जो है बात सीजदे रहवे तो लागे हात ।  
मोमीन केरा धरमराज सीस दीया है अपने काज ।  
मोमीन मनमा साचा होवे चांदना मारग सब जा जोवे ।  
काम क्रोध कुं मारे सोये वै मोमीन निरमल होवे ।  
टुक टुक जो चंदना जोवे तो जा मुखडा सुरीजन जोवे ।  
सुरीजन कु तो तपसु काम फजर होते करे सलाम ।  
तो आखोदखो मन कर ध्यावे तो जातो वाजे तकदपवो वही तकरे झुट  
साच की वरे पाईये ।  
तो उनकी बाजी जाती रहीये साच खेले तो बाजी पावे ।  
झुटा खेले तो मुल गमावे । आपस कु तो गुरवत मले ।  
सत की बाजी सतकर खेले न्हाने बडे मे सब मे खले ।  
साचा खेले तो आपस खेले साचे केरा बनीशान चवदभवन मे उसकुं मान ।  
सत की बाजी लेवे कोये जीसे आपका देवे सोये ।  
बहोत भात के रंगजो करे साचा मोमीन दिमधरे ।  
आपसकुं तो मनसे धावे तद जा मारग सुदा जोवे ।  
महंमद नाम तो साचा कर लीजो अवरनामाम पर दीलना दिजो ।  
आखे देखवी सुनते कान दिन का साचा कर जान ।  
नाम नबी कर जो पावे, जलम जमारा सुखसु जोवे ।

realpatidar.com



realpatidar.com

नाम नबीका मोमीनकुं भावे जैसा दूद सकरसुं खावे ।  
कळजुग केरा बया निसान पुत पीता मे थोडा मान ।  
झुटे तरतब दखो आये जैसी आग लोहेकुं खावे ।  
मोमीन होकर झुट आवे लुला कर कर दुख ठवे ।  
हातमे दिवा ठोकर खावे कालामु कर जग दिखलावे ।  
छ्तीस ईमामसुं साचा रहवे मोमीन उनकु साचा कर धावे घर मोमीन के मुसद आवे ।  
सीर की अपनी दुवा करवो केवकर दरसन वये जो पावे ।  
काफर गुते मायामाने न्हाने बडे सब दोख खजावे ।  
दीन कु जीयाले मोमीन आये, रात अंधारी काफर जाये ।  
मीन शनीचर लागेचीन तले की मीटी उपर वर्गन जोवे महा जालसीके माने ते  
ददीकर जलया दावन मे हाथ ।  
कहे कबीर दीन सुनोरे भाई सुने पढे तो भिस्तमा जायी ।

- रस बैनी समाप्त -

ये “रस बैनी” लीखी तंग  
मुखी विठ्ठल राघो चौधरी, विटवे  
मीती आषाढ कृ. ११, रोज सोमवार, ता. १२/७/२००४  
शके १९२६, विक्रम संवत २०६०



realpatidar.com